Gurukul International Multidisciplinary Research Journal (GIMRJ)*with* International Impact Factor 8.249
Peer Reviewed Journal
https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2409III07V12P0012

e-ISSN No. 2394-8426
Special Issue on Scientific Research
Issue–II(VIII), Volume–XII

सामाजिक कौशल परीक्षण का निर्माण

अपर्णा मिश्रा
शोध छात्रा, अध्यापक शिक्षा विभाग,
वर्धमान कॉलेज, बिजनौर,
महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

सुनील कुमार जोशी
प्रोफ़ेसर, अध्यापक शिक्षा विभाग,
वर्धमान कॉलेज, बिजनौर

सारांश:
यह शोध पत्र प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के लिए सामाजिक कौशल मापनी के निर्माण और उसके मूल्यांकन पर आधारित है। सामाजिक कौशल, जैसे देखभाल, सहभाजन, तदनुभूति, आत्म-संयम, और सामाजिक व्यवहार, जीवन में सफलता और समाज के साथ समायोजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस शोध का उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए एक उपयुक्त सामाजिक कौशल परीक्षण का विकास करना था। इसके लिए 42 पदों की एक मापनी का निर्माण किया गया, जो 5 प्रमुख सामाजिक व्यवहार घटकों को मापती है। इस मापनी को 185 विद्यार्थियों पर प्रशासित किया गया और परिणामस्वरूप यह पाया गया कि परीक्षण विश्वसनीय और वैध है। यह उपकरण प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों के सामाजिक कौशल का आकलन करने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

बीज़ शब्द: सामाजिक कौशल, मापनी निर्माण, प्राथमिक शिक्षा, विश्वसनीयता और वैधता

प्रस्तावना:

जीवन में अच्छे निर्णय लेने में, दूसरों से क्या और कैसे बात किया जाए, किस तरह समाज में अच्छे संबंध बनाए जाएं आदि में सामाजिक कौशल हमारी सहायता करते हैं। जीवन में सफलता हेतु संतुलित व्यवहारों का प्रदर्शन अनिवार्य है। जीवन को सफल बनाने के लिए 20% संज्ञानात्मक बुद्धि तथा 80% संवेगात्मक बुद्धि की अनिवार्यता होती है (गोलमैन, 1995) । विभिन्न परिस्थितियों में मान्य सामाजिक व्यवहारों का प्रदर्शन इस प्रकार हो जिसमें व्यक्ति अपने आप को आत्म नियंत्रित रखते हुए अपने संवेगों को उचित समायोजन कर पाए। ऐसे ही मान्य सामाजिक व्यवहारों के समुच्चय को सामाजिक कौशल कहते हैं (गोल्डस्टीन एंड सुसन, 1995)। सामाजिक कौशलों का जीवन में सफलता एवं सामाजिक समायोजन के साथ संबंधित है अर्थात जो जितना समायोजित होगा वह उतना ही सामाजिक कौशल से युक्त होगा (स्यामरिल एवं नूर्याना, 2008)। बंडूरा (1999) के सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार देखकर और नकल करके सामाजिक कौशलों को सीखा जाता है। सामाजिक कौशल व्यवहार के ऐसे घटक है जो विभिन्न प्रकार की सामाजिक परिस्थितियों में अनुकूलन करने में ये व्यक्ति की सहायता करते हैं तथा उसे संतुलित रहने के लिए क्षमतावान बनाते हैं। वाकर एवं अन्य (1992) के अनुसार सामाजिक कौशल क्षमताओं का वह समुच्चय है जो सकारात्मक सामाजिक संबंध बनाने तथा उसे बनाए रखने एवं सामाजिक

वातावरण के साथ प्रभावपूर्ण ढंग से समायोजित होने लायक बनाता है। मोस्लिचाटोन (2004) के अनुसार सामाजिक कौशल के विकास के तीन स्तर होते हैं। पहला विकास स्तर किंडर गार्डन में विकसित होता है जिसमें बच्चे अपने दोस्तों के साथ संबंध बनाते हैं, अपनी भावनाओं को प्रदर्शित कर पाते हैं और सही तरीके से अपने अधिकारों की मांग करना सीख पाते हैं, इतना ही नहीं वह अपने समूह में अपना स्थान बनाना सीख जाते हैं। न केवल समूह उन्हें स्वीकृति करता है वह भी समूह को स्वीकृति प्रदान करते हैं। परस्पर स्वीकृति प्रदान करने की क्रिया में वह अपने अवसर का प्रतीक्षा करना सीख जाते हैं साथ ही अपने लिए अवसर ढूंढ लेते हैं। सामाजिक कौशल विकास के दूसरे स्तर में बच्चे अपने अंतर व्यक्तित संबंधों को और मजबूत करते हैं तथा समूह में अपनी प्रतिभागिता बढ़ाते हैं। अपनी पहचान समूह के माध्यम से बनाते हैं या दूसरे शब्दों में कहे तो समूह की पहचान उनसे होती है और उनकी पहचान समूह से होती है। सामाजिक कौशल विकास के तीसरे स्तर में समूह में उसका उत्तरदायित्व निर्धारित हो जाता है उसकी संचार कलाएं इतनी सुदृढ़ हो जाती है कि वह अपनी बात सहज भाव से प्रकट कर पता है और समूह की भावनाओं को अच्छी तरह से महसूस भी कर पता है। सामाजिक कौशल उद्देश्य पूर्ण एकीकृत उचित व्यवहारों का समुच्चय है जो कि न केवल विद्यार्थी सीखता है बल्कि अपने भावनाओं और व्यवहारों पर नियंत्रण भी करना सीखता है (लेन, के. एल. और अन्य, 2003)। सामाजिक दृष्टि से इन कौशलों की आवश्यकता को देखते हुए उसका मापन भी महत्वपूर्ण हो जाता है। सामाजिक कौशलों के आकलन हेतु कई प्रविधियाँ उपलब्ध हैं, यथा रेटिंग-स्केल, चेक लिस्ट, साक्षात्कार, अवलोकन आदि। उपलब्ध उपकरणों में कोई भी ऐसा उपकरण नहीं था जो प्राथमिक कक्षाओं के न्यादर्श के आयु के अनुरूप हो। अतः सामाजिक कौशलों के मापन हेतु लिकर्ट-विधि पर आधारित उपकरण को बनाने का निर्णय लिया गया।

परीक्षण का निर्माण

संबंधित साहित्य के अध्ययन के पश्चात कई घटक सामने आए। इनके आधार पर निम्नलिखित व्यवहारों को सामाजिक कौशलों के अंतर्गत मापनी के निर्माण हेतु रखा गया-

1. देखभाल (Caring)
2. सहभाजन (Sharing)
3. तदनुभूति (Empathy)
4. आत्म-संयम (Self-Control)
5. सामाजिक व्यवहार (Social Behaviour)

सर्वप्रथम साहित्य के अध्ययन एवं विशेषज्ञों से चर्चा के आधार पर प्रत्येक व्यवहार से संबंधित पदों को लिखा गया। प्रारंभ में कुल 60 पदों का निर्माण किया गया। इन पदों को लिखने के पश्चात उन्हें महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय,बरेली एवं वर्धमान महाविद्यालय बिजनौर के शिक्षा विभाग के 5 अध्यापकों को इस अनुरोध के साथ दिया गया कि प्रत्येक व्यवहार से संबंधित पदों पर अपनी राय दें। इन विशेषज्ञों की राय के आधार पर 11 पदों को छोड़ दिया गया। शेष बचे हुए 49 पदों की 5 प्रतियां बनाकर प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ा रहे अध्यापकों को दिया गया और उनसे

अनुरोध किया गया कि वे कक्षा 5 के विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप भाषा की दृष्टि से इसकी जाँच कर ले। इन अध्यापकों के सुझाव के आधार पर कुछ पदों की भाषा में संशोधन किए गये।

इसके पश्चात् कक्षा 5 के छः विद्यार्थियों पर यह मापनी व्यक्तिगत रूप से प्रशासित की गयी। प्रत्येक विद्यार्थी को संबंधित निर्देश भली-भांति समझा दिए गये। विद्यार्थियों को उत्तर देते समय जहाँ कहीं भी कोई कठिनाई महसूस होती थी उसे नोट कर लिया गया। विद्यार्थियों को जहाँ पर भी कठिनाई महसूस हुई वहाँ पर संशोधन करके भाषा को उनके अनुरूप किया गया। अब यह परीक्षण पूर्व-परीक्षण के लिए तैयार था।

Caring (देखभाल)

1. जब कोई असहाय मित्र आप के स्कूल के अंदर आते वक़्त अक्षम होता है तो क्या आप उसकी मदद करने के लिए आगे आते हैं?
2. यदि आपकी कक्षा का कोई विद्यार्थी नहीं खा रहा होता है तो आप को इस बात का पता नहीं चलता हैं|
3. यदि आपकी कक्षा का साथी अक्सर अपनी पेन्सिल नहीं लाता है तो आप जानने का प्रयास करते है कि वह स्कूल में पेन्सिल क्यों नहीं लाया?
4. यदि आपके विद्यालय के किसी विद्यार्थी को चोट लग जाती है तो उसके चोटिल होने का कारण जानने में आप की कोई रूचि नहीं होती|
5. यदि आपकी कक्षा का कोई विद्यार्थी अपना गृहकार्य पूरा करके नहीं लाता तो क्या आप जानने का प्रयास करते है कि वह गृहकार्य पूरा करके क्यों नहीं लाता है?
6. यदि आपकी कक्षा का कोई विद्यार्थी अक्सर अध्यापक द्वारा प्रश्न पूछे जाने पर उत्तर नहीं बता पाता तो क्या आप उसको उत्तर बताने का प्रयास करते हैं?
7. यदि आपकी कक्षा का कोई विद्यार्थी पढ़ने में कमजोर है तो आप पढाई में उसकी सहायता करने की बजाय अपने को और अच्छा बनाने का प्रयास करते हैं|
8. यदि आप की कक्षा के किसी विद्यार्थी को देर से आने की वजह से बैठने का स्थान नहीं मिल पाता तो क्या आप उसको बैठने में मदद करते हैं?
9. यदि आपके विद्यालय के किसी विद्यार्थी की अचानक तबियत खराब हो जाती है तो क्या आप उनकी मदद करने के लिए आगे आते हैं?
10. यदि आपकी कक्षा का कोई विद्यार्थी अनुपस्थित रहता है और जब अगले दिन विद्यालय आता है तो आप उसके अनुपस्थिति वाले दिन का कार्य पूरा कराने में उसकी सहायता करते हैं|

Sharing (सहयोग)

11. जब आपकी कक्षा का कोई विद्यार्थी किसी प्रश्न को हल नहीं कर पता है तो क्या प्रश्न को हल करवाने में आप अपने मित्र साथी की मदद करते हैं?
12. जिस प्रश्न का उत्तर आपको आता है तो उसे अपने मित्रों के अलावा किसी अन्य सहपाठी द्वारा पूछे जाने पर उसे भी उसे बताते हैं|

13. यदि कोई ऐसा प्रोजेक्ट कार्य जो आपने पहले ही पूरा कर लिया हो, आप के साथ पढ़ने वाले किसी अन्य विद्यार्थी को मिल जाये तो आप अपना अनुभव उसे बताते हैं |
14. किसी भी अन्य विद्यार्थी को उसका छूटा हुआ कार्य पूरा करने के लिए मैं अपनी कक्षा-पुस्तिका उस विद्यार्थी को नहीं देता हूँ |
15. यदि आप के गणित की अध्यापिका आयत का चित्र बनवाती है और आप के साथियों के पास स्केल नहीं है तो क्या आप अपना कार्य पूरा होने के बाद स्केल को अपने अन्य साथियों के साथ साझा करते हैं ?
16. मेरे अगल-बगल में अगर साथी बैठें हों और मुझे बिस्कुट खाने की इच्छा होती है तो मैं वहां से उठकर धीरे से बिस्कुट खाकर साथियों के बीच फिर आकर बैठ जाता हूँ |
17. विद्यालय आते-जाते समय यदि किसी छात्र की साइकिल खराब हो जाती है तो क्या आप उसकी मदद करते हैं ?
18. यदि आप कोई खिलौना विद्यालय में खेलने के लिए लेकर आते हैं तो क्या आप उस खिलौने को खेलने के लिए अन्य साथियो को भी देते हैं ?
19. वर्षा ऋतु के समय बारिश के शुरू हो जाने पर क्या आप अपने मित्रों को अपने छाते के अंदर आने के लिए बुलातें हैं ?
20. अपने बैठने की सीट में किसी और के साथ साझा नहीं करता हूँ |

Empathy (तद्नुभूति)

21. यदि आप के किसी मित्र को जब अध्यापक द्वारा गृह कार्य पूरा नहीं करने के कारण पीटा जाता है तो आप के मुख से चीख निकल जाती है |
22. जब आप का कोई सहपाठी किसी बीमारी की वजह से बहुत कष्ट में होता है तो आप उसको देख कर दुखित हो जाते हैं |
23. जब आपके मित्र की बारी आने के बावज़ूद आपके मित्र को खेलने का मौका नहीं मिल पाता है तो आप को भी बहुत बुरा लगता है |
24. दुर्घटना में घायल व्यक्ति को बगल से गुज़रते वक़्त मैं भी दुःखित हो जाता हूँ |
25. अगर आप परीक्षा में पास हो गये है परन्तु आपका साथी फेल हो गया है तो आपको कोई दुःख नहीं होता है |
26. क्या आप अनुत्तीर्ण होने के उपरांत भी अपने कक्षा में प्रथम आये हुए मित्र को प्रसन्न देखकर प्रसन्नता का अनुभव करते हैं |
27. आपके मित्र को जब किसी कारण वश प्रार्थना सभा से बहार निकल दिया जाता है तब आप मन ही मन खुश होते हैं |
28. आपके मित्र को किसी नाटक या कहानी के मंचन में अच्छा प्रदर्शन के बावजूद भी उसको पुरस्कार की प्राप्ति नहीं होती है तब आप को भी कष्ट होता है |
29. जब आपके मित्र को कक्षा में देर से आने की वजह से कक्षा से बाहर निकल दिया जाता है तो आप को अच्छा लगता है |

Social Behavior (सामाजिक व्यवहार)

30. जब आपके कक्षा के किसी सहपाठी के माता-पिता को विद्यालय में बुलाकर उनके सामने अध्यापक द्वारा शिकायत की जाती है तब आप को भी अच्छा नहीं लगता है |
31. विद्यालय में प्रवेश करने के बाद जब आप अपने किसी सहपाठी या अध्यापक से मिलते है तो मुस्कुराते हुए ही मिलते हैं |
32. विद्यालय में अध्यापक द्वारा प्रश्न पूछे जाने पर आप मुस्कुराते हुए उत्तर देते हैं |
33. विद्यालय में अध्यापक जब आप के किसी साथी से प्रश्न पूछता है और वह उत्तर नहीं बता पाता तो आप इशारों की सहायता से उत्तर बताने का प्रयास करते हैं |
34. जब आप की कक्षा का कोई विद्यार्थी विद्यालय नहीं आता है तब आप उसके घर जाकर विद्यालय नहीं आने का कारण जानने का प्रयत्न करते हैं |
35. जब आपकी कक्षा में नया विद्यार्थी प्रवेश लेकर आता है तब आप उसके साथ अपना परिचय करने में हिचकिचाते हैं |
36. विद्यालय के अलावा किसी अन्य स्थान पर सहपाठियों के मिलने पर आप अपनी नज़रें छुपा लेते हैं |
37. विद्यालय के विद्यार्थियों को विद्यालय के अलावा कहीं अन्य स्थान पर मिलने पर आप मुस्कुराते हुए मुलाकात करते हैं |
38. आप अपने मित्रों से किसी भी प्रकार की मदद मांगते वक़्त कृपया शब्द का प्रयोग करते हैं |
39. आप अपने मित्रों से किसी भी प्रकार की सहायता प्राप्त करने के उपरांत आप उसको धन्यवाद देते हैं |
40. आप के मित्र या सहपाठी से आपका कोई सामान ख़राब हो जाता है तो क्या आप उसे माफ़ कर देते हैं |

Self Control (आत्म-संयम)

41. यदि कोई शिक्षक मुझको विद्यालय देर से आने के लिए डांटते है तो मैं भी तेज आवाज़ में ज़वाब देता हूँ |
42. यदि मेरी बारी आने से पहले कोई छात्र बिना लाइन में लगे हुए भोजन लेता है तो मैं उस पर चिल्ला पड़ता हूँ |
43. यदि कोई छात्र मुझे अपशब्द बोलता है तो मैं धैर्य रखकर उसकी अनदेखी कर देता हूँ |
44. अपने दोस्तों के साथ खेलते समय मेरी बारी नहीं आने पर मैं उनसे लड़ जाता हूँ |
45. यदि मैं अपने किसी साथी को किसी भी काम के लिए पुकारता हूँ और वह नहीं सुनता है तो मैं उससे नाराज़ नहीं होता हूँ |
46. यदि कोई शिक्षक मुझसे बार-बार एक ही काम को करने के लिए कहते हैं तो मैं उनसे नाराज हो जाता हूँ |
47. यदि विद्यालय या घर में भोजन देर से मिलता है तो मैं गुस्सा होकर खाना नहीं खाता हूँ |
48. यदि मेरे माता-पिता मेरे पसंद का सामान नहीं खरीदते तो मैं उन से नाराज हो जाता हूँ |
49. गृह कार्य पूरा नहीं करने के लिए जब कोई भी मुझे डांटता है तो मैं उस डांट को सह लेता हूँ |

सामाजिक कौशल मापनी को कक्षा पाँच के दो सौ विद्यार्थियों पर प्रशासित किया गया। प्रत्येक कथन के साथ चार विकल्प दिए गये। सकारात्मक कथनों पर हमेशा के लिए 4, अक्सर के लिए 3, कभी-कभी के लिए 2 तथा कभी नहीं के लिए 1 अंक दिए गये। नकारात्मक कथनों पर हमेशा के लिए 1, अक्सर के लिए 2, कभी-कभी के

लिए 3 तथा कभी नहीं के लिए 4 अंक दिए गये। अंकन करते समय यह पाया गया कि 15 विद्यार्थियों ने सभी पदों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है अतः उन्हें अंतिम फलांकन से बाहर रखा गया ।

इस प्रकार कुल 185 विद्यार्थियों से पूर्ण रूप से भरी हुई बुकलेट प्राप्त हुई। इन उत्तर पुस्तिकाओं का फलांकन किया गया तथा उन्हें प्राप्त अंकों के बढ़ते हुए क्रम में रखा गया। ऊपर तथा नीचे से 27% उत्तर-पुस्तिकाओं को छाँट लिया गया। इन दोनों समूहों में प्रत्येक पद के लिए मध्यमान तथा मानक विचलन की गणना की गयी। दोनों समूहों के मध्यमानों की तुलना टी-परीक्षण द्वारा की गयी। तुलना के परिणाम को तालिका संख्या 1 में दर्शाया गया है–

तालिका संख्या 1: उच्च समूह व निम्न समूह के प्राप्तांक के मध्यमानों की तुलना

पद संख्या	उच्च समूह के प्राप्तांक का औसत (M)	उच्च समूह का मानक विचलन (σ)	निम्न समूह के प्राप्तांक का औसत (M)	निम्न समूह का मानक विचलन (σ)	टी- मान
1	2.41	.87	1.47	.83	5.5279
2	3.46	.97	2.53	.93	4.8937
3	2.44	.94	2.02	.92	2.2579
4	2.34	.88	1.96	.90	2.1347
5	3.51	.90	2.83	.88	3.8200
6	3.29	.92	2.78	.89	2.8173
7	2.22	.85	1.88	.82	2.0356
8*	2.58	.91	2.41	.86	.9601
9	3.30	.99	2.10	.99	6.6000
10	2.94	.88	2.42	.88	2.9545
11*	3.30	.87	3.65	.90	1.9771
12	2.85	.84	1.92	.82	5.6020
13	2.98	.97	2.31	.95	3.4894
14	3.00	.88	2.50	.96	2.7148
15	3.30	.89	2.50	.99	4.2493
16	3.58	.98	2.50	.88	5.7981
17*	2.92	.87	3.14	.85	1.2790

18	3.60	.89	2.60	.79	5.9419
19	2.63	.95	2.20	.92	2.2992
20	2.42	.87	1.90	.84	3..405
21	2.73	.99	2.14	.97	3.0100
22	3.14	.88	2.67	.96	2.5519
23	3.20	.89	2.25	.79	4.1593
24	3.24	.95	2.46	.95	4.0837
25	3.60	.99	2.60	.99	5.0505
26*	3.30	.80	2.98	.83	1.9629
27	3.67	.91	2.84	.87	4.6617
28	2.65	.89	2.09	.87	3.1816
29	3.00	.89	2.00	.99	5.3116
30*	3.00	.87	2.68	.84	1.8711
31	3.22	.86	2.26	.88	5.5169
32	3.72	.87	2.90	.85	4.7671
33*	3.75	.90	3.43	.87	1.8076
34	2.22	.99	1.26	.99	4.8485
35	2.72	.88	2.16	.88	3.1818
36	2.84	.84	2.46	.86	2.2351
37*	3.79	.95	3.45	.92	1.8179
38	2.79	.83	2.25	.88	3.1565
39	3.58	.98	2.50	.98	5.5102
40	3.23	.98	2.20	.99	5.2284
41	2.95	.97	2.28	.95	3.4894
42	3.10	.90	2.50	92	3.1000
43	2.90	.96	2.40	.92	2.6590

44	2.58	.88	1.68	.89	5.0847
45	3.03	.94	2.32	.95	3.7566
46	3.45	.89	2.60	.84	4.9112
47	3.14	.93	2.32	.89	4.5044
48	3.30	.98	2.50	.99	4.0609
49	2.89	.89	2.41	.90	2.6815

इन 49 पदों में से पद संख्या 8,11,17,26,30,33 एवं 37 के लिए टी- मान सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं था। अतः इन पदों को छोड़ दिया गया। सामाजिक कौशल मापनी के अंतिम प्रारूप में कुल 42 पद थे। विभिन्न प्रकार के व्यवहारों से संबंधित पदों को तालिका संख्या –में दर्शाया गया है।

तालिका 2— विभिन्न सामाजिक कौशलों से संबंधित पदों को दर्शाती तालिका

कौशल	कुल पद	पद क्रमांक
देखभाल (Caring)	9	1,6.11,16,21,26,31,36,41
सहभाजन (Sharing)	8	2,7,12,17,22,27,32,37
तदनुभूति (Empathy)	8	3,5,13,18,23,28,33,38
आत्म-संयम (Self-Control)	8	4,9,14,19,24,29,34,39
सामाजिक व्यवहार (Social Behavior)	9	5,10,15,20,25,30,35,40,42

इन 42 पदों में से 25 पद सकारात्मक एवं 17 पद नकारात्मक थे। इन सकारात्मक एवं नकारात्मक पदों को तालिका संख्या 3— में दर्शाया गया है|

तालिका 3 —सामाजिक कौशल मापनी के सकारात्मक एवं नकारात्मक पदों को दर्शाती तालिका

पदों की प्रकृति	पदों का क्रमांक	कुल योग
सकारात्मक	1,2,3,4,7,8,9,11,13,14,15,17,18,21,25,26,27,29,32, 33,34,36,39,41,42,	25
नकारात्मक	5,6,10,12,16,19,20,22,23,24,28,30,31,35,37,38,40	17

<u>फलांकन-</u>

प्रत्येक पद पर चार प्रकार के विकल्प थे -- हमेशा, अक्सर, कभी-कभी एवं कभी नहीं। सकारात्मक पदों पर हमेशा के लिए 4, अक्सर के लिए 3, कभी-कभी के लिए 2 एवं कभी नहीं के लिए 1 अंक प्रदान किए गये जबकि नकारात्मक

पदों के लिए इसके विपरीत हमेशा के लिए 1, अक्सर के लिए 2, कभी-कभी के लिए 3 तथा कभी नहीं के लिए 4 अंक प्रदान किए गये।

विश्वसनीयता एवं वैधता

कोई भी परीक्षण अपने आप में परिपूर्ण नहीं होता और उसकी विश्वसनीयता ज्ञात करना आवश्यक होता है। वर्तमान उपकरण की परीक्षण- पुनः परीक्षण विश्वसनीयता ज्ञात की गयी। इस हेतु परीक्षण को कक्षा पाँच के 70 विद्यार्थियों पर प्रशासित किया गया। प्रथम प्रशासन के 30 दिनों के बाद उन्हीं विद्यार्थियों पर इस परीक्षण को पुनः प्रशासित किया गया। दोनों प्रशासन के उत्तर पत्रको का फलांकन किया गया। इन दोनों प्रशासनो के अंको के मध्य सहसंबंध ज्ञात किया गया। यह संबंध 0.81 प्राप्त हुआ। यह कहा जा सकता है कि सामाजिक कौशल मापनी एक विश्वसनीय उपकरण है।

मापनी के निर्माण के दौरान इसे विशेषज्ञों को दिया गया था जिन्होंने प्रत्येक पद का निरीक्षण करके अपनी राय दी थी उनकी राय के आधार पर कुछ पदों को हटाया गया तथा कतिपय पदों में परिवर्तन किया गया। साथ ही पद-विश्लेषण के द्वारा दोषयुक्त पदों को छाँट दिया गया था। अतः यह कहा जा सकता है कि सामाजिक कौशल मापनी में विषयवस्तु वैधता है। निष्कर्षतःयह कहा जा सकता है कि सामाजिक कौशल मापनी एक विश्वसनीय एवं वैध उपकरण है।

निष्कर्ष- यह परीक्षण सामाजिक कौशल को मापने का संतोषजनक वैध और मानकीकृत उपकरण है। यह उपकरण प्राथमिक विद्यालय पांचवी के विद्यार्थियों पर मानकीकृत है। इस परीक्षण को प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

सन्दर्भ:

Bandura, A. (1999). *A Social Cognitive Theory of Personality*. In L. Pervin, & O. John (Eds.), Handbook of Personality: Theory and Research (pp.154-196). New York: Guilford Publications. https://doi.org/10.1037//0033-295X.106.4.676

Dianne M. Gut & Stephen P. Safran (2002) COOPERATIVE LEARNING AND SOCIAL STORIES: EFFECTIVE SOCIAL SKILLS STRATEGIES FOR READING TEACHERS, Reading & Writing Quarterly, 18:1, 87-91, DOI: 10.1080/105735602753386351

Goleman, D. (1995). Emotional Intelligence: Why it can matter more than IQ . New York: Bantam Books.

Goldstein,S. S. and Susan, M. (1995). *Understanding and Managing Children's Classroom Behavior: Building Social Skill in the Classroom*. Canada: John Wiley & Sons.

Lane, K. L., Pierson, M. R., & Givner, C. C. (2003). Teacher Expectations of Student Behavior: Which Skills Do Elementary and Secondary Teachers Deem Necessary for Success in the Classroom?. Education and Treatment of Children, 26(No. 4), 413-430.

Moeslichatoen, R. (2004). Teaching Methods in Kindergarten. Department of Education and Culture. Directorate General of Higher Education. Teacher Education Project.

R. J. Syamril and I. K. Nuryana. (2008). "Effect of Emotional Intelligence Training on Students' Social Skills with Special Needs," *J. Gift. Creat.*, vol. 2, no. 1, pp. 13–19.

Walker, H. M., Irvin, L. K., Noell, J., & Singer, G. H. S. (1992). A construct score approach to the assessment of social competence: Rationale, technological considerations, and anticipated outcomes. Behavior qtion, 16, 448–474.